'गांधी के उत्तराधिकारियों ने उनके साथ छल किया'

साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'स्वतंत्रता की संकल्पना' विषय पर एक परिसंवाद का आयोजन किया। परिसंवाद की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार और आईजीएनसीए के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने की। परिसंवाद में विभिन्न कार्य क्षेत्रों के ख्यातिप्राप्त व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के आरंभ में अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने स्वागत वक्तव्य दिया। प्रसिद्ध चिकित्सक बृजेश शर्मा ने कहा कि आजादी की संकल्पना तभी पूरी होगी जब सबको बराबर की आजादी हो। विख्यात लेखिका नासिरा शर्मा ने कहा कि आजादी के साथ बहुत सी भ्रांतियां जुड़ी हुई है जिन्हें नई पीढ़ी के सामने स्पष्ट करना बेहद जरूरी है। सरकारों को नागरिक सोच का सम्मान करना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार और गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष कुमार प्रशांत ने कहा कि आजादी के साथ बहुत सी जिम्मेदारियां आती हैं। स्वतंत्रता का मतलब यही है कि हम आजादी की बात आजादी के साथ कह सकें। प्रसिद्ध लेखिका और दलित सामाजिक कार्यकर्ता अनिता भारती ने कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अलावा सामाजिक स्वतंत्रता भी बेहद जरूरी है। वंचितों को बहुत से अधिकार तो मिले हैं लेकिन अभी भी वह पूरी तरह उन तक नहीं पहुंचे हैं। साथ ही प्रख्यात शिक्षाविद् जे. एस. राजपूत, प्रसिद्ध पत्रकार शिवकुमार राय, प्रसिद्ध नृत्यांगना शोभना नारायण, प्रसिद्ध संगीतकार पंडित उदयकुमार मल्लिक, प्रख्यात नाट्य निर्देशक चित्तरंजन त्रिपाठी ने भी इस विषय पर अपने विचार रखे। अंत में परिसंवाद की अध्यक्षता कर रहे प्रसिद्ध पत्रकार रामबहादुर राय ने कहा कि देश के लिए राजनीतिक स्वतंत्रता और संविधान का बनना बड़ी घटना थी, वह इसलिए भी क्योंकि हमारी विविधता बहुआयामी थी। उन्होंने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि स्वतंत्रता के महानायक गांधी के उत्तराधिकारियों ने उनके साथ छल किया है। हमने उनके सपने के भारत को बनाने के लिए उनकी संकल्पनाओं पर विचार नहीं किया और न ही उन्हें आगे बढ़ाने की कोशिश की। कार्यक्रम के अंत में श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए। कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी के संपादक अनुपम तिवारी ने किया।